

लायकी स्त्री. (अर.) 1. योग्यता 2. लायक होने की अवस्था, धर्म या भाव।

लायची स्त्री. (देश.) इलायची।

लायन पुं. (देश.) 1. वह वस्तु जिसे गिरवी रखकर ऋण लिया गया हो 2. नकद दाम देकर बेची जाने वाली वस्तु।

लार स्त्री. (तद्.) 1. मुख से निकलने वाला लसदार तरल थूक मुहा. लार टपकना- कोई चीज देख या सुनकर उसे पाने के लिए लालायित होना, किसी को जाल या धोखे में फँसाने वाली चीज या बात 3. लसीला पदार्थ, लासा।

लारी स्त्री. (अं.) बड़ी मोटरगाड़ी जिसमें विशेष रूप से सवारियाँ और उनका समान ढोया जाता है।

लारू पुं. (देश.) लाड़, लड्डू।

लारे अव्य. (देश.) 1. वास्ते, लिए 2. आधार पर उदा.- राग को आदि जिती चतुराई सुजान कहै सब याही के लारे-सुजान।

लार्ड पुं. (अं.) 1. परमेश्वर, ईश्वर 2. मालिक, स्वामी 3. शासक 4. ब्रिटेन में राजा द्वारा सामंतों, जागीरदारों, नवाबों आदि की उपाधि।

लाल पुं. (तद्.) 1. छोटा बालक 2. प्रियबालक 3. पुत्र, बेटा 4. प्रिय व्यक्ति, प्रेमी, मनुष्य, प्रणयी उदा. कहै कवि गंग लखि ललना-अधर लाली, लाल वारि डारौ लाख भाँति रंग लाल में-गंग 5. बालक कृष्ण उदा. लाल, तिहारे संग में खेलौ खेल बलाइ-मतिराम फा. 1. रक्तिम रंग 2. एक रत्न जो गहरे लाल रंग का होता है, माणिक, पद्म राग, याकूत 3. लाल रंग की एक छोटी चिड़िया, लाल मुनिया, रायमुनि मुहा. लाल उगलना- बोलने के समय बहुत अच्छी और प्यारी बातें कहना; लाल-पीला हो जाना- क्रोध करना; लालो लाल होना- यथेष्ट संपन्न और सुखी होना; किसी की गोटी लाल होना- यथेष्ट प्राप्ति या पूर्ण सिद्धि होना वि. 1. लोहित, सुर्ख 2. चौसर आदि खेलों की वह गोटी जो सब चालें चलकर बीच के घर में पहुँच जाए टि. उक्त खेल में वह खिलाड़ी विजेता होता है जिसकी सब

गोटियाँ बीच के घर में सबसे पहले पहुँच जाएँ अर्थात् लाल हो जाएँ।

लाल-अंबारी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का पटुआ जिसके बीज दवा में काम आते हैं।

लाल-अग्नि पुं. (तद्.) भूरे रंग का एक पक्षी जिसका गला नीचे की तरफ सफेद होता है।

लाल-आलू पुं. (देश.) 1. रतालू 2. अरबी, घुइया।

लाल-इलायची स्त्री. (तद्.) लाल रंग की बड़ी इलायची।

लालक वि. (तत्.) लाइ-प्यार करने वाला पुं. विदूषक।

लाल-कच्चू पुं. (तद्.+देश.) बड़ा, गजकर्ण आलू।

लाल-कलमी पुं. (तद्.+फा.) चाँदनी या गुल चाँदनी नामक पौधा और उसका फूल।

लालकीन पुं. (देश.) नानकीन, एक प्रकार का मटमैले रंग का सूती कपड़ा।

लाल-कोठी स्त्री. (तद्.) व्याभिचारिणी स्त्रियों का अड्डा जहाँ वे कसब कमाती हैं।

लाल-घास स्त्री. (तद्.) एक तृण, गोमूत्र नामक तृण।

लाल-चंदन पुं. (तद्.+तत्.) रक्त चंदन।

लालच पुं. (तद्.) लोभ, लोलुपता, कोई चीज प्राप्त करने या पाने की बहुत बड़ी हुई इच्छा।

लालचहाँ वि. (देश.) लालची, लोभी, वह व्यक्ति जिसे बहुत अधिक लोभ-लालच हो।

लालची वि. (तद्.) बहुत लालच करने वाला, लोभी।

लालचीता पुं. (तद्.) लाल फूलों वाला चीता, चित्रक।

लालचीनी पुं. (तद्.+देश.) सिर पर अनेक लाल बिंदियों वाला सफेद कबूतर।

लालटेन स्त्री. (अं.) हाथ में लटकाने लायक वह चिमनी जिसमें तेल भरने की जगह और जलाने के लिए बत्ती लगी रहती है, उसकी जलती हुई बत्ती को हवा से बचाने के लिए चारों ओर शीशे आदि का आवरण लगा रहता है ताकि बत्ती बुझने न पाए। lantern